IIM Raipur and University of Wolverhampton, UK Sign MoU to Strengthen Educational Collaboration

Or

Strengthening Global Exchange Opportunities; IIM Raipur and University of Wolverhampton Enter into MoU

Or

Unlock Transformative Exchange Opportunities with IIM Raipur and University of Wolverhampton's MoU

Editor's Synopsis:

- IIM Raipur and University of Wolverhampton sign a Memorandum of Understanding (MoU).
- The partnership aims to foster academic cooperation, research initiatives, and exchange programs.
- The MoU was signed by Professor Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, and Professor Ebrahim Adia, Vice-Chancellor of the University of Wolverhampton.

Raipur, 04 October 2024: Indian Institute of Management (IIM) Raipur and the University of Wolverhampton have formally established a partnership through the signing of a strategically formulated Memorandum of Understanding (MoU). The agreement is designed to strengthen academic cooperation, promote research initiatives, and enhance student and faculty exchange programs between two institutions.

The MoU was signed by Professor Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, and Professor Ebrahim Adia, Vice-Chancellor of the University of Wolverhampton. This partnership represents a major milestone in advancing excellence in higher education, as both institutions pledge to exchange expertise, resources, and research capabilities, enhancing the academic journey for their students and faculty alike.

Speaking on the occasion, Professor Ram Kumar Kakani highlighted the importance of international collaboration in today's educational landscape. He further shared, "This MoU will not only strengthen the academic ties between IIM Raipur and the University of Wolverhampton but also open new avenues for knowledge exchange, research collaboration, and cross-cultural learning experiences for our students and faculty. We aim to create opportunities for students and researchers that will have a lasting impact on both our communities".

The agreement is set to focus on several key areas, including joint research projects, dual degree programs, faculty development programs, student exchange initiatives, and the development of innovative educational programs. The MoU also includes provisions for organizing joint seminars, workshops, and conferences to promote knowledge sharing and collaboration.

This agreement is expected to enhance the global visibility and outreach of both institutions, paving the way for future collaborations in various academic and research fields.

भा.प्र.सं.रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन, यूके ने शैक्षिक सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए

या

वैश्विक आदान-प्रदान के अवसरों को सुदृढ़ करना; आईआईएम रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन ने समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए

या

भा.प्र.सं. रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन के एमओयू (समझौता ज्ञापन) के साथ रूपांतरकारी आदान-प्रदान के अवसरों को अनलॉक करें

संपादक की संक्षिप्त जानकारी:

- भा.प्र.सं. रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

- साझेदारी का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान पहलों, और आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है।

- इस एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार काकानी और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन के वाइस-चांसलर प्रोफेसर इब्राहीम आदिया ने हस्ताक्षर किए।

रायपुर, 04 अक्टूबर 2024: भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन ने एक रणनीतिक रूप से तैयार किए गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर साझेदारी को औपचारिक रूप से स्थापित किया। यह समझौता शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने, अनुसंधान पहलों को प्रोत्साहित करने और दोनों संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

इस एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार काकानी और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन के वाइस-चांसलर प्रोफेसर इब्राहीम आदिया ने हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने का एक प्रमुख मील का पत्थर है, क्योंकि दोनों संस्थान विशेषज्ञता, संसाधनों और अनुसंधान क्षमताओं का आदान-प्रदान करने का वचन देते हैं, जिससे उनके छात्रों और शिक्षकों के लिए शैक्षणिक यात्रा को बेहतर बनाया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने आज के शैक्षणिक परिदृश्य में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, "यह MoU न केवल आईआईएम रायपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ वूल्वरहैम्प्टन के बीच शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करेगा बल्कि हमारे छात्रों और शिक्षकों के लिए ज्ञान आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और क्रॉस-कल्चरल लर्निंग अनुभवों के नए मार्ग खोलेगा। हमारा लक्ष्य छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना है जो हमारे दोनों समुदायों पर दीर्घकालिक प्रभाव डालें।"

इस समझौते का ध्यान कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित होगा, जिनमें संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ, ड्यूल डिग्री प्रोग्राम, फैकल्टी विकास कार्यक्रम, छात्र आदान-प्रदान पहल और नवीन शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास शामिल है। एमओयू (समझौता ज्ञापन) में संयुक्त सेमिनार, कार्यशालाएँ और सम्मेलन आयोजित करने का प्रावधान भी शामिल है, जिससे ज्ञान साझा करने और सहयोग को प्रोत्साहन मिले।

इस समझौते से दोनों संस्थानों की वैश्विक दृश्यता और पहुंच को बढ़ाने की उम्मीद है, जिससे विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के रास्ते खुलेंगे।